|  |
| --- |
|  |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | |  | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Date 3/24/16** | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_TopBarLeft.png | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_TopShadowLeft.png | |  | | --- | |  | |  | |  | |  | |  | |  | |  | |  | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_TopShadowRight.png | | | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_TopBarRight.png | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB1.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB2.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB3.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB4.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB5.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB6.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB7.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB8.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB9.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowLB10.png | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/de60e3da-e80a-40d3-abc3-55ba4d9712bc.jpg | | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | **PROPHECY UPDATE NEWS HEADLINES**  **Yesterday's Prophecies - Today's Headlines** |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | HEADLINES IN PARTNERSHIP WITH****TRACKING BIBLE PROPHECY****[http://www.trackingbibleprophecy.org/birthpangs.php](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkAReZGL-1vwVvDytHRIMaytxkMYxW-osMX7_OUcxGbkgmUaX5nQRdRIf0-FCMS5e0nH4L_9xFNJqiycIKG7MGnwZGLyp4DJLKbzZ8e9fwHR7E6HqMXYIL5OpacJWbFjEKcHa9DDUWjA9AFcdu9MdLt59tkv_VvrU8A==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  * [Netanyahu: World looks to Israel to defeat terror](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59Egt8QMtP7Hmir-YPwj9mQZG4VMh3qQPG-1Q88aY5a6RFxVcM5_3OcOTamr74ZSLpf9pHZEe1bEf22i3rpczCxUsrtOfkou9rk280oPp_yyIJGNKhjkXPzrXIlYvT9wv8X9cVCMPmtllYYl0bqEZq7eH-HzxcLHp7TutA4wtllRTvsbY3MdHlFeWKQMqkzmq_zfwm5NZVDgiPHl0xrMJ_xA==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Brussels bombers planned to attack nuke plant...](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59V1DV71OAE3htiIya7uYR4vNvMqJgq_J0X2Hh9bRO-nct5uvhS60c_n6ywQBZEOmcJc8uDq4_elGn2Deffz8xDcq8P9ElnvpMMhMIm6Y3C8OetwQQez1O8HpNXv7Vt_niZe_9E6x0CMUqFoHDxd1g0DpsvZy-Cadaozxq1iw9P1GXCoQMArQaWhZnoutMLluBPdzSSg-sUUaIG23hPnpHEW-x2mgz8Y5eNzJu3mVRd7d0fcejHVw3-jhZdP0-Pbdst1zq7yaE_uJPVNVJsC7ZIeBlhj-xVCfJZM3MVbO7HD7awqPTNLArfnCG6wwQH3bFAAkc3JL22ts=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Islamic State has trained over 400 fighters for Europe attacks](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59tZde-jvkHPkIst-oTyJ96XtNdH6V3SRsB83Jlw_-DFZPQF2vWIGXf3dDkrCZYPyi0Fszp3OxkML66Wwn2FD3ML3uxdo1_gtj33QYnqZO6bzPppxNzgbzVubkMvZWjYuj0nE0MdxAzLmuP7anG4K2SyFAy68Q6M2IGF_hnEn7pYl3uIvUGFbeqIBNOC6g9nrwibfOUCDE-bw=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Fears grow for priest 'kidnapped by ISIS' who may be crucified on Good Friday...](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59HYe7xCCHmnpih4AqxzKpWN0QgOa8IpdljROwXI8Ivx3GMZKb14YENnyH5VGiZ2Ub-aa-wdwhe83JLf4uYh014hlFr6fm_eUG8C-7MbRB14bSkyQDKNdk-SH0RtpzaOTs8sb5EPwDE-z-uLV8cfQOQZmFfYmTqHETTMEnPpC9vGcSmEZs9uay0gpD9l776Epp&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Two Palestinian terrorists stab, wound IDF soldier in attack](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O590IGqmMFYKH_88NKdSuNPvAtlhCE7pIAxfhWZTjNdZIvvjS-GxgHjDY5xFFNknTS5D8M2poW0AqZIymO3f_QEbh7OAcT_JAm4s7j4I0cceu9U_tAUjIqxkNiYjOUvAvXMjq9m8osWHm84FaCQbIQhwZSnqLkXW2PBwBXfxfj4thZfMvt1wjki49RBiuAuForHZFhSe5QVi8S7hubK_m7mGg==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) [near Hebron Grand Mufti urges Muslims to defy 'Israel violations,' visit al-Aksa](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59dQ2nKkY_aNsyRGb0MZsS_J50wQgc2wfVlRVHEBCfXOhJI2AzBREYbinXSLf_G-luut5cmta0Bjyc1mJHj_BUkl3T2nWonBBFzc2tTOTok_sKxvrYk4pHUve1JrfqmrBxEvBKJYvcbHLnp1gO801rSg0CP8qdQWO5sChlinchMx-MkjETH1tltvu5ZPodX4w7r7OxXSKLnNLUz911XulVb0nmsxL89LE8HEwjXz4RiX4=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Obama: No Israeli-Palestinian peace deal in my presidency](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59TwVuXi88RPhGsnB-JBn027A5iPApkSzOSHLl5u0jtt8QVObYBAAOhHaIWVpMBpcSB7N396F0LRIkHT-St-9u5Sv3umzs4McdOhupMYwKWvFZgXWaz99RSylywj74WnraXgth0aQEeTpiaE19TPZS-KZ4sUK6RK1mHCtzK-Zd4r_YRgvrBEsybbsCs-zZv6Dn&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [UN, Quartet Working on Strategy to Revive Israel-Palestinian Authority Peace Talks](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59Frf-kyP0w1g41AnP-4FAwk3KnYsxbA7qpF5hGYov89fNVE1im-Hifj5nH_qs6w8eoUVphcAM2psfVyVSk0JtN_Xy3PClMqzKDMkBEP1ptcbeeIpaYExn9HLCLOm5jZNeVlSeUPQ28hgR7FELUj3QcEIEAoXlY8e0CEBK1meL1v8ztEFXihg6_nYLMZG2yWYVnj8koGH2oD2Nx0So7cW9zKKDwQzSiWSvYnxen-YYA3Pfdma2V2KGugW6vCOJ1SSB4Je_MwiAA2-5YlFBfu5Hiw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Russia admits special forces 'directing warplanes' in Syria](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59EklJ39qaV0KLigF9RWAaN15qEZEUOhCJpKHRiWxI_rahD_ZPVVHxIDmxfPzRHifw3gWqiKkpKx0onqFAJlRMASnDbED-CFV_VhJ4qxKbDOaNspeDaz7c5v09jNc6bTZ6ORTqFXy7lwJDHDle5WVQtYbTzdNc44_VRDBzQ9h4dhCQkbLDQvSZo8zFRCixqUZe&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [North Korea boasts successful test of new rocket engine](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59ltrO2XOdDGoB-qcTx_gAlMDDycigQdv7mdvuqkthBYMT3qM8NAHe6RFQKC8Th66GIHchTPS11UrEC5P7J-ywRFiKhhDDmN_erHxTb_VVIPa3o38GGVFgEwaX01cX4_ePAJuSoIlJqvUSG1a8QFK3Kn3sfBkRt5xbQi7zGcJ-Z9_44gIQBDnPmr_80UV__leMI_enpSqJaM-voppt_n3Wrw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [What is a superflare? Researchers explain 'devastating consequences' of an eruption from the Sun](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O596AQevnuBsUyy-HvVe7CP_iIXYR6kM5RgSEYZMwZrPcYejHNDsJNBVlMupoJK1a-pvLXy3cbjRWrKMyR2-VY-egr5EZrtgTvWHzL0iCDG9nKqhypIhGS2dnYpKheC5qxvIZmdtGe8oRpDn964WwIjP3YDTdyz6Am3eyNsfjJnzh5CLbKc541-K18BUz1JXNwkCy8K0mluDRmezVQRxGKPBPIOLs2dHyGyTBvvYP6cTvk=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [He Looks At Tuberculosis Death Toll And Wonders Why You're Not Worried](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59OG7xuS4jjq6f5p8i3UM0EBo2p3ea55LkDHlOJqRIAgGm3zzCbCxSK3Osqn7gALM7B5zKS_mV0llTcqyBHUlVa0G0JkwFHzL1c6ii1lGipjkH8mMfbuo_D_swO2LN952xeKRKTy_Laa4vvAkKycDaCHUHqJRoCj5oP97TrH1CBePdsvUqFI97IS7JzuG37HNBS5zSqgXoeuSNuNTZXxF7Nf5WjJ-urOzD&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * 5.2 magnitude earthquake 28 km from Port-Olry, Sanma, Vanuatu * [Home ownership Increasingly Difficult For Average Americans](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59HtDWdXGslWIcx7Exvtkfi0mN72YujRh-yzCBoZqll10gm-j8RkzZ5rZ3ooQfjhKvCxActAERbk2Bol5KoTNnK1NmCK9lRAL0QLA4_ctQ-c9uD8kHdmXD21bKH734jAiT6ZtImBph8_VIxayHkwW3_cT8ghWl_FegPApXXmlCYroFprPP0Mxmqw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Market calm has eerie parallels to pre-swoon August](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59vzbFthr6GhQATjwT162q2Cbx03wBOR71Ilf8MiD_BEBHlp9013gHkjehwPIIRAl5GSdkAFp2DT0c4juSWeuv4eWJOjLdToYnFGkLGLs320MT0o9rETW6o9JrEBgfTwrZHvufKnkNpp4PRtxyuLVWA9URnwc3OESLcJO1H47dnwylVSoTcW697Tj3mMSufbnGP4ab76JdXKQ=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [North Carolina passes bill blocking LGBT protections](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59LZaRWSbIuV5lzL76XwvVX0VgmMoyzLE076Nuc9RQapC13y-xtlssLknjfrjGKLpUsqZObWAHJUdZu8KODIjP78nyZJyPvki-I4K7XIADB4w1WHmcYHeyrDJq9hsemuztHLs9443guskSj_Eh8GBnljXQxoQGyVlnZdMfW08a0jIgR8szvBJj_KKxAz85HqCPHOFKL41Xrqci1Zp110gxqCCPCM_OCcYABy9FzshJnufDxdnYpImkkw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Disney, Marvel vow boycott if religious-liberty bill signed](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59awT0r7syloXpb7XmxNUR8pD3nQ9QqgwSxlvJ5_fLKUQor-HMZxAH8d1pqrf0-QUcGOAJLU-At_EJ-ZeNL-aKqSaPzHBvG0hPQWxrBPr9JfrS74oakhML6zsAdqtjBydbjFkhVil77-WFCnEx237RKeglNN_YlSQZg1q5uiaiFeWX9XyoATqKpbGQKnmyLkIsvUnHkZ23mUKn2tOpEk0yQNXHo6HNq7aa&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Self-cleaning laundry may be on the way](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59HwcU9SqDy82_nGTqQgT2I_-nz9aqvxAo7DDP7B9YHQ5DeFudrxZc7UK-B-RCf_DVzhC4uv5o0Wp4HZJEkJ8-fCWusNvmDg7fDWZGNQzD3Rsc8M0Oo9rRe6BHUDyOqBl8NkzwdRq1DofsZwC42atETHcvAtUBGNC2Gwzg7SxmfdbtWIMXMz7TY7x35RdaJDeA&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Churchless faith: British Christian community 'may be far larger due to changing forms of practicing belief'](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59wZ5E6wFmVJ_mVYO1JbNSaW9yt_QE3mTRrdZ3hk3rBG6pKcGP9-5Sd5FD1wKL7lRNtUhkC4ZlUxrgBwyFENoibfJ13pfiBpBQg7pfK1SV1bbzpQY0QKX7iIl2EFszOvn1EF0UVte5G-oAlBWop6JJxy3yW2zxv6RV2Blnw-bi_Uo50XVIUc0EkFQohaZS2jTxE-d2qnVUdKeOPXPy7zUl82qgbNgka-2TKoc3Pc9m3vuxUBY8Z0v0FFVDyUCWPYomtX40DsSoJBz15vf5WIItzu7ipyBCMTurPpYcU0FtPUw=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) * [Messianic Soldiers in 'Spiritual Desert' of Israeli Army Sharing Their Faith in Christ More Than Ever Before](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59FZBkvIV1Ct-cGh5FpOJPJWy1xkNmln82ioCqRbxL9qwsUzc06HMCKuYRHdEXW64MbTBbn4DN4_6lwTo8eZRmZV4rIo9-WioHySSwYOHqURs-mPG89E9gfGs73RFKKKoHuyNAzj8HzuelAMflHiDQAYCMpIJhjtIy5cbZmPsTwVmYuSujf5PZyqCQ9BA339TTQ2du5AVS2PKq1K1hsxQS4eVDtz17zmkwmeX6ASvTCdIuwub6z7QS-EjK0xw9l7GSo_BcXZ3HqpFl7yBbU6Muhw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | **PROPHECY UPDATE NEWSLETTER**  **STAY INFORMED, GET EQUIPPED, BE ENCOURAGED**  **Pre-Millennium - Pre-Tribulation - PrePARED**  **\*If you missed an issue or did not receive your daily copy - All Newsletters are archived at:**  [**http://www.prophecyupdate.com/newsletter-archives.html**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkKQ5ZaCUjS8m6202IW57enU4rTIRdKHo-Pm3zuiizpV1acJjqOQKiNTHJCFCNbfL-xsxusCouTXWfk1diuH3pTk_XbtV-aU0AVyZ2Sv11v8_oo3bGGdwXMCRelkD7JZPmDysE3CRBn8RAkUHPvtBGUn6WYT1FwLts1mIucaGDL7z&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | **IN TODAY'S NEWSLETTER...**   * [Featured Articles: Epochs of Time in Bible Chronology - 6000 Years of Mankind](#featured) * [Super Soft On Islamic Terror: Obama Says That ISIS "Is Not an Existential Threat to Us"](#a1) * [Modern-day 'Indiana Jones' links Shroud to 1st century](#b2) * [Feeding the Lambs and the Sheep](#b2) * [Daily Jot: El presidente in all his glory](#b3) * [Daily Devotion: The Power of Christ's Words](#b4) |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | featured  **Epochs of Time in Bible Chronology - 6000 Years of Mankind** - By Randy Nettles -  [http://raptureready.com/soap2/nettles11.html](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O598FVwXi-ZG0VPz9YR4tXu8vU-dcqQ3Udy9q-IuZza_n6GKoNecbbLA9uejQ96dDedDYMnDs_H7pWASgyOdcjuz6gpocu35wemykMceyxuXj3u0SOeIFO5H7khKVat2tmCtVCgek-ZEis=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)     "And God saw every thing that he had made, and, behold, it was very good. And the evening and the morning were the sixth day" (Genesis 1:31).    "Thus the heavens and the earth were finished, and all the host of them. And on the seventh day God ended his work which he had made; and he rested on the seventh day from all his work which he had made.   And God blessed the seventh day, and sanctified it: because that in it he had rested from all his work which God created and made" (Genesis 2:1-3).    Most Bible scholars believe there will be 6000 years of recorded history for mankind, and then Jesus will return and reign/rule for 1000 years on the earth. The bible says that a thousand years is as one day with the Lord.    "But, beloved, be not ignorant of this one thing, that one day is with the Lord as a thousand years, and a thousand years as one day" (2 Peter 3:80).    Just as the original creation week took 6 days of work and 1 day of rest...for a total of 7 days; so mankind will work on the earth for 6000 years and will then rest for 1000 years during the millennial reign of Jesus Christ...for a total of 7000 years of history on this earth. After 7000 years, God will create a new heaven and earth for the faithful angels and redeemed mankind.    We are advancing rapidly towards those 6000 years according to biblical chronologists. The following is a history and partial genealogy of mankind, as per the Bible and other secular records, with 13 epochs of time calculated and cumulated.    These epochs of time consist of major events and births in the history of mankind and specifically, the Jews. It starts with Adam, the first created man; and ends with Jesus (the second created man) at His Second Coming.    **1) Creation to flood: 3960-3959 BC to 2304-2303 BC;  1656 years; Genesis 5 and 6.**    There is very little dispute of the totality of the 1656 years duration from Adam to the Flood as per the book of Genesis. The book of Genesis first records the lineage of Adam to Noah and his sons. Noah was the ninth generation from Adam. His three sons, Shem, Ham, and Japeth were the tenth generation from Adam. Noah was 600 years old when the great flood started. The flood and the flood waters lasted for approximately one year.    The date 3960-3959 BC is not a random date. Later dates, such as 1446 BC or 586 BC, that have been established and proven from both secular and biblical sources allow us to work backward and arrive at this date. This will become self-evident later in this study.    The following epoch covers the time span of the genealogy of ante-dilluvian man...starting with Adam and ending with Noah and his sons. Before the flood, during the antediluvian period, men sometimes fathered children at a much older age.    Of course, they had much longer life spans (10X our current ones) during this time period. Noah didn't start having sons until he was "older." He had his three sons, Shem, Ham, and Japheth, by the time he was 500 years of age.    Before Noah, the oldest antediluvian patriarch was Methuselah who fathered Lamech (Noah's father) at 187 years old. Lamech fathered Noah at 182 years of age. Jared fathered Enoch at 162 years of age...Enos was 90, Seth was 105, and Adam was 130.    Of course, Adam and his sons fathered many other children (begat sons and daughters) after these recorded ages; but our focus is on the biblical lineage of Adam's son Seth.    The years involved within epochs 1-10 are determined by verses in the bible and are determined by the following:  Event or birth - Year from Creation - Year of Event - Biblical verse/s.     Creation of Adam - Year 0 from creation - 3960 BC - Genesis 5:31.     Birth of Seth - Year 130 from creation - 3830 BC - Genesis 5:6.     Birth of Enos - Year 235 from creation - 3725 BC - Genesis 5:9.     Birth of Cainan - Year 325 from creation - 3635 BC - Genesis 5:12.     Birth of Mahalaleel - Year 395 from creation - 3565 BC - Genesis 5:15.     Birth of Jared - Year 460 from creation - 3500 BC - Genesis 5:18.     Birth of Enoch - Year 622 from creation - 3338 BC - Genesis 5:21.     Birth of Methuselah - Year 687 from creation - 3273 BC - Genesis 5:25.     Birth of Lamech - Year 874 from creation - 3086 BC - Genesis 5: 28.     Birth of Noah - Year 1056 from creation - 2904 BC - Genesis 7:6.     Beginning of the flood   - Year 1656 from creation - 2304 BC - Genesis 7:11; 8:13-14.    **2) The flood to Abram's (Abraham) birth: 1 year after the flood started, the occupants exited the arc. 2303-2302 BC to 1951-1950 BC; 352 years + 1 year (in the arc) =  353 years; Genesis 1-12; Acts 7:4.**    This epoch is recorded in the book of Genesis, chapters 11 and 12 and records the lineage from Noah's son, Shem, to Abraham. Two years after the flood, Arphaxad was born to Shem. Seven generations later, Terah was born into this lineage. Terah. Abraham's father, was actually 130 years old when Abraham was born.    "And the days of Terah were two hundred and five years: and Terah died in Haran" (Genesis 11:32).    "Abram was seventy and five years old when he departed out of Haran" (Genesis 12:4).    Subtracting 75 from 205 equals 130 years for Terah's age at the birth of Abraham.    This is sort of unusual in the genealogy of the patriarch's after the flood. After the flood, the usual age of reproduction for this lineage was around thirty plus; but Terah was the rule to the exception. He had his son, Abram, at the ripe old age of 130. In these olden times, the old men could still father children at an old age, as long as the wife was not beyond child birthing age. Terah lived to be 205 years old. He was the last of the patriarchs to live over 200 years.     Beginning of the flood - Year 1656 from creation - 2304 BC - Genesis 7:11, 8:13-14.     Noah leaves the ark - Year 1657 from creation - 2303 BC - Genesis 11:10.     Birth of Arphaxed - Year 1659 from creation - 2301 BC - Genesis 11:12.     Birth of Salah - Year 1694 from creation - 2266 BC - Genesis 11:14.     Birth of Eber - Year 1724 from creation - 2236 BC - Genesis 11:16.     Birth of Peleg - Year 1758 from creation - 2202 BC - Genesis 11:18     Birth of Reu - Year 1788 from creation - 2172 BC - Genesis 11:20.     Birth of Serug - Year 1820 from creation - 2140 BC - Genesis 11:22.     Birth of Nahor - Year 1850 from creation - 2110 BC - Genesis 11:24.     Birth of Terah - Year 1879 from creation - 2081 BC - Genesis 11:26.     Birth of Abraham - Year 2009 from creation - 1951 BC - Genesis 12:4.    1656 years (epoch1) + 353 years (epoch 2) = 2009 years.    **3) Abram's birth to confirmed covenant: 1952-1951 BC to 1877-1876 BC; 75 years; Genesis 12:4.**    This is the covenant between the Lord and Abram:"Now the Lord had said unto Abram, Get you out of your country, and from your kindred, and from your father's house, unto a land that I will show you: and I will make of you a great nation, and I will bless you, and make your name great; and you shall be a blessing: and I will bless them that bless you, and curse him that curses you: and in you shall all families of the earth be blessed" (Genesis 12:1-3).    Abraham was born 352 years after the flood because Terah was 205 and "died" in Haran (Gen.11:32). Then Abraham, 'when his father was dead' (Acts 7:4), moved to Canaan at the age of 75 (Gen.12:4). Thus, Abraham was born when Terah was 130, so Genesis 11:26 should be paraphrased, Terah lived seventy years, and begot the first of his three sons (not Abram).    Abraham was still 75 years old in Genesis 13:14-16 when the covenant (regarding God giving the promise land to Abraham and his descendants forever) was confirmed. 430 years later (Gal.3:16-17), "the law" of rituals was given (Ex.24:12)... the same year as the exodus (Ex.14) which was 430 years after Genesis 12:4 (Ex.12:40-41).    Birth of Abraham - Year 2009 from creation - 1951 BC - Genesis 12:4.     Abraham confirms covenant - Year 2084 from creation - 1876 BC - Genesis 16:16.    2009 years (epoch 1-2) + 75 years (epoch 3) = 2084 years.    **4) Confirmed covenant to Exodus: 1877-1876 BC to 1447-1446 BC;  430 years; Gen.12:4; 13:14-16; Ex. 12:40-41; 14; 24:12; Gal. 3:16-17.**     "Now the sojourning of the children of Israel , who dwelt in Egypt , was four hundred and thirty years. And it came to pass at the end of the four hundred and thirty years, even the selfsame day it came to pass, that all the hosts of the Lord went out from the land of Egypt" (Exodus 12:40-41).    The 430 years must begin in Abraham's lifetime, not Israel 's or Jacob's, because the 400 years which ends also at the exodus specifically starts at Isaac's affliction by Ishmael (Gen.15:13; 21:8-12; Acts 7:6) which therefore began 30 years after Abraham entered the land.    Abraham lived to be 175 years old. Isaac was 180 years old when he died. Jacob lived to be 147 years old.    Joseph wasn't born until Jacob was 91 years old. Jacob was probably over 100 when he fathered Benjamin...Joseph's younger brother from the same mother. Yes, Jacob was a feisty old man.    Exodus 12:40-41 says, "Now the sojourning (in Canaan and Egypt - 215 years each) of the children of Israel (which here includes Abraham, Isaac and Jacob), who dwelt in Egypt, was 430 years."    Josephus says the same thing: "They left Egypt ... on the fifteenth day of the lunar month (Num. 33:3), four hundred and thirty years after our forefather Abraham came into Canaan" (Antiquities of the Jews, 2:15:2)      Both the Samaritan Pentateuch and Septuagint add "and in Canaan" in verse 40. Some translations say Israel dwelt in Egypt 430 years which contradicts Galatians 3:17.    The Septuagint, quoted by Paul in Galatians, says "the sojourning of the sons of Israel who dwelt in the land of Egypt and Canaan was 430 years" because they dwelt in Canaan before they dwelt in Egypt.     Abraham confirms covenant - Year 2084 from creation - 1876 BC - Genesis 16:16.     Birth of Ishmael - Year 2095 from creation - 1865 BC - Genesis 21:5.     Birth of Isaac - Year 2109 from creation - 1851 BC - Genesis 25:26.     Birth of Jacob - Year 2169 from creation - 1791 BC - Genesis 47:9.     Birth of Joseph - Year 2260 from creation - 1700 BC - Genesis 41:46.     Joseph stands before Pharaoh - Year 2290 from creation - 1731 BC - Genesis 41:46.     Jacob enters Egypt - Year 2299 from creation - 1661 BC - Genesis 47:28.     Death of Jacob - Year 2316 from creation - 1644 BC - Genesis 49:33.     Death of Joseph - Year 2370 from creation - 1590 BC - Genesis 50:22,26.     Birth of Moses - Year 2434 from creation - 1526 BC - Exodus 7:7.     Exodus from Egypt - Year 2514 from creation - 1446 BC - Exodus 16:35.     2084 years (epochs 1-3) + 430 years (epoch 4) = 2514 years.    **5)   Exodus to Israel 's temple foundation: 1447-1446 BC to 967-966 BC;  480 years; 1 Kings 6:1.**     "And it came to pass in the four hundred and eightieth year after the children of Israel were come out of the land of Egypt, in the fourth year of Solomon's reign over Israel, in the month Zif, which is the second month; that he began to build the house of the Lord" (1 Kings 6:1).     Moses, the man of God, led the children of Israel out of Egypt in about 1446 BC. After 40 years of wandering in the desert, Moses died (at 120 years of age) after viewing the Promised Land from a distance. Joshua replaced Moses as the leader of the newly formed nation of Israel and entered the Promised Land in 1406 BC. He died at 110 years of age.     After Joshua's death, God raised up judges to lead and deliver his people from slavery. The total time of the judges was about 326 years, from 1376 BC to 1050 BC. Israel 's first king was Saul, who ruled for 40 years; until about 1010 BC.    David was the next king and he also ruled for 40 years; until about 970 BC. He died at 70 years of age. David was a descendant from the lineage of Jacob's son, Judas.     David's son, Solomon, became king of Israel after his father's death. He began the temple building project that his father had desired in the fourth year of his reign in 966 BC.     The  exodus from Egypt occurred in 1446 BC, 480 years later (966 BC), the construction of the first temple of the Jewish nation began.     Exodus from Egypt - Year 2514 from creation - 1446 BC - Exodus 16:35.     Crossing of Jordan River - Year 2554 from creation - 1406 BC - Joshua 14:7, 24:29.     Dividing of the Land of Canaan - Year 2559 from creation - 1401 BC - Joshua 14:7-10.     Judges begin leading Israel - Year 2584 from creation - 1376 BC - Joshua 24:29.     Saul (first king of Israel ) begins reign - Year 2910 from creation - 1050 BC - Acts 13:21.     David begins reign - Year 2950 from creation - 1010 BC - 2 Samuel 5:4.     Solomon begins reign - Year 2990 from creation - 970 BC - 1 Kings 6:1.     Solomon begins construction of temple - Year 2994 from creation - 966 BC - 1 Kings 11:42.     2514 years (epochs 1-4) + 480 years (epoch 5) = 2994 years.    **6)  From temple foundation (in the fourth year of Solomon's reign) to the  death of Solomon: 967-966 BC to 931-930 BC;  36 years; 1 Kings 11:42.**    Solomon ruled for 40 total years and then died. Saul, David and Solomon all reigned for 40 years (Acts 13:21; 1 Chr. 29:27; 2 Chr. 9:30).     Solomon begins construction to build temple - Year 2994 from creation - 966 BC - 1 Kings 11:42.     Death of Solomon and Rehoboam begins reign - Year 3030 from creation - 930 BC - 1 Kings 14:21.     2994 years (epochs 1-5) + 36 years (epoch 6) = 3030 years.    **7) The death of Solomon to the destruction of Jerusalem and the temple : 931-930 BC to 586-585 BC; 345 years; Kings and Chronicles.**    By adding all the reigns of each of the kings of Judah (after Solomon's death) mentioned in Kings and Chronicles we have a total of 345 years. The year in whicha king came to the throne was known as his accession year. His first regnal year, i.e. the first full year of the king's reign, began on the first day of the new year following his accession.    The period between his actual accession and next new year's day was known as the beginning of the reign. Israel, in common with other near eastern nations, commenced the new year on the first of Nisan (our March - April), it's first king,   Jeroboam, having come from Egypt (1 Kings 12:2-3) where the new year began in the spring. Judah , however, commenced the new year on the first of Tishri (our September-October). Where two dates overlap, a coregency is indicated. Regnal years are used.     [**Note:** Read Edwin R. Thiele's excellent book...The Mysterious Numbers of the Hebrew Kings regarding the chronology of the kings of Judah and Israel.] It is deemed the definitive work and reckoning of the calendar years on this topic. The following  kings of Judah list is from his calculations:     Rehoboam - 930-913 BC (1 Kin.14:21-31; 2 Chr. 9:31).     Abijam (Abijah) - 913-910 BC (1 Kin.15:1-8; 2 Chr.13:1-14).     Asa - 910-869 BC (1 Kin.15:9-24; 2 Chr.14:1-16).     Jehoshaphat - 872-848 BC, includes co-regency time (1 Kin.22:41-50; 2 Chr.17:1-21).     Jehoram (Joram) - 853-841 BC (2 Kin.8:16-24. 2 Chr.21:1-2; he reigned concurrently with his father four years (2 Kin. 8:16; 2 Chr. 21:3-4; 2 Kin. 3:1; 9:29; 8:25).     Ahaziah - 841 BC (2 Kin.8:25-9:29; Chr.22:1).     Queen Athaliah - 841-835 BC (2 Kin.11:1-20; 2 Chr.22:10-23:21).     Joash - 835-796 BC (2 Kin.11:21-12:21; 2 Chr.24:1-27).     Amaziah - 796-767 BC (2 Kin.14:1-20; 2 Chr.25:1-28).     Azariah (Uzziah) - 792-740 BC (includes overlap reign time with Amaziah; 2 Kin.15:1-7; 2 Chr. 26:1-23).     Jotham - 750-732 BC (Includes coregency time with Uzziah; 2 Kin.15:32-38; 2 Chr.27:1-9).     Ahaz - 735-715 BC (includes overlap reign time with Jotham); 2 Kin.16:1-20; 2 Chr.28:1-27.     Hezekiah - 715-686 BC (2 Kin.18:1-20:21; 2 Chr.29:1-32:33; Isa.36:1-39:8).     Manasseh - 696-642 BC (includes coregency time with Hezekiah, 2 Ki.21:1-18. 2 Chr.33:1-20).     Amon - 642-640 BC (2 Kin.21:19-26; 2 Chr.33:21-25).     Josiah - 640-609 BC (2 Kin.22:1-23:30; 2 Chr.34:1-35:27).     Jehoahaz (Shallum) - 609 BC (2 Kin.23:31-34; 2 Chr.36:1-4; Jer.22:1-12).     Jehoiakim (Eliakim) - 609-598 BC (2 Kin. 23:34-24:7; 2 Chr36:4-8. Jer.22:13-23; 26:36).     Jehoiachin (Coniah) - 598-597 BC 2 Kin. 24:8-17. 2 Chr.36:9-10. Jer.22:24-30; 52:31-34.     Zedekiah (Mattaniah) 597-586 BC 2 Kin.24:17-25:7; 2 Chr.36:11-21; Jer.39:1-10; 52:1-11.    The destruction of Jerusalem and the temple occurred in 586 BC by King Nebuchadnezzar of Babylon . Zedekiah was the last king of Judah. He reigned for 11 years. The people of Judah were killed or removed to Babylon.     3030 years (epochs 1- 6) + 345 years (epoch 7) = 3375 years.    **8)  The destruction of the first   temple to the finished construction of the second temple: 586-585 BC to 516-515 BC;  70 years; Daniel 9:2; Ezra 6:15; Zech.7:5-7.**    The destruction of Jerusalem and the temple occurred in 586 BC. The construction of the second temple was finished in 516 BC. Both dates are well established in secular histories as 586-585 and 516-515 BC. There were 70 years from the destruction of the first temple (Jer.52:12-13) in the "nineteenth year of Nebuchadnezzar" (52:12) and "eleventh year of Zedekiah's reign" (2 Kings 25:2); to the building of the second temple "in the sixth year of the reign of Darius" (Ezra 6:15).     Destruction of the first temple - Year 3375 from creation - 586 BC - Jeremiah 52:12-13, 25:1, Daniel 2:1.     The second Temple is rebuilt in sixth year of King Darius - Year 3445 from creation - 516 BC - 2 Chronicles 36:21, 23.     3375 years (epochs 1-7) + 70 years (epoch 8) = 3445 years.    **9)  From the sixth   year of King Darius the Mede   (when the second temple was finished) to the Persian king Artaxerxes' decree to rebuild Jerusalem: 516 BC to 444 BC;  72 years.**     Cyrus issued a decree in 538 BC regarding the rebuilding of the temple in Jerusalem (Ezra 1:1-2). This wasn't the decree we're looking for because Dan.9:25 speaks of the rebuilding of the city, Jerusalem, including the streets and walls, not merely the temple. The people resisted this decree and stopped work on the temple until the second year of Darius (See Ezra 4:4-5, 24.)     Darius issued a decree in 520 BC, and ordered the construction of the temple to continue (Ezra 6:11-12). Again, this decree was for the temple, not the city. The temple was completed by the sixth year of Darius (Ezra 6:14-15) so this could not be the decree spoken of by Daniel. Counting the prophecy from these dates would place us well before Christ's life.     When Nehemiah arrived in Jerusalem, everybody was already at work building Jerusalem (Neh. 2:16) under the authority of the decree they had received thirteen years earlier from Ezra. Nehemiah finished his work in 52 days (Neh.6:15). The city and walls had been rebuilt much earlier, and Nehemiah merely repaired some recent damage to the gates and walls.     Actually, once you determine the date of the decree of Artaxerxes (in his seventh year), then it is easy to determine the date of Nehemiah's commission since it was in the 20th year of Artaxerxes (Neh.2:1).     Nehemiah 1:1-2 shows that Nehemiah's brother came from Susa in December (Chislev) to report the sad situation at Jerusalem . Four months later (Nisan), in the spring of 444 BC, Artaxerxes' 20th year, the king gave permission for Nehemiah to go to Jerusalem (Neh.2:1-8).     Second temple is rebuilt in sixth year of King Darius - Year 3445 from creation - 516 BC - 2 Chronicles 36:21, 23.     King Artaxerxes' decree to rebuild Jerusalem - Year 3517 from creation - 444 BC - Nehemiah 2:1.     3445 years (epochs 1-8) + 72 years (epoch 9) = 3517 years.    **10)  Artaxerxes' decree to rebuild Jerusalem to "Palm" Sunday before Jesus' crucifixion, 444 BC to AD 33,476 years (Daniel 9:24-26).**     The decree given by Artaxerxes to Nehemiah in 444 BC (Neh. 2) was the starting point of Daniel's prophecy (Daniel 9:25) of 483 years. The end of Daniel's prophecy occurred in AD 33 when Jesus was "cut off" from being King of the Jews, in AD 33 Nisan 10, on a Sunday (now known as Palm Sunday) fulfilling the prophecy of Daniel 9:24-26.     Four days later (Thursday) AD 33 Nisan 14, the Lord Jesus was crucified on a Feast of Passover. Three days later (Sunday) AD 33 Nisan 17, Jesus was resurrected back to life on a Feast of Firstfruits fulfilling His prophecy of Matthew 12:39-40.     Daniel's prophecy consists of 483 total biblical years of 360 days per year...not our current solar calendar of 365.2422 days per year. The 360 day per year calendar was the one that Daniel was referring to when he gave his prophecy. The only other time/s in the Old Testament that this 360 day calendar was referred to was during the flood of Noah, Genesis 7 and 8 and possibly Genesis 29:27-30.     Daniel 9:24-26 and Genesis 29: 27-30 are the only two times in the Bible that the word "weeks" is used as a term for 7 years (360 days per year).   However, when reckoning cumulative years for Bible chronology, we use the solar calendar and thus the 476 years.     King Artaxerxes decrees rebuilding Jerusalem -Year 3517 from creation - 444 BC - Nehemiah 2:1.     Birth of Jesus Christ - Year 3956 from creation - 5 BC - Mathew 2:1, 15.     Christ's ministry begins - Year 3990 from Creation - AD 30 - Luke 3:1.     Christ's crucifixion - Year 3993 from Creation - AD 33 - Luke 23:32-49.     Joseph, Jesus' step-father, was a descendant of King David and his son Solomon. Mary, Jesus' mother, was a descendant of King David and his son Nathan.     3517 years (epochs 1- 9) + 476 years = 3993 years.    **11) Jesus' death to  present (AD 2016).  1983 years. AD 33 to AD 2016.**    This epoch includes the calling of Paul as an apostle of Jesus in AD 38, the destruction of Jerusalem and dispersion of Israel in AD 70, Israel becoming a nation again in AD 1948, and Jerusalem regained by Israel in AD 1967.     3993 years (Epochs 1-10) + 1983 years = 5976 years.    **12) Years before the Tribulation starts - 0 - ? years (in the future).**     Obviously we can't predict how many years are in epoch 12. It could be 0 to 20 years.    **13) Seven-year Tribulation. (7 years in the future).**     5976 years (epochs 1-12) + 7 years (epoch 13) = 5983 years.     According to these calculations (not including the Tribulation or the time immediately before) for the biblical chronology of mankind, we are now (AD 2016) 24 years (6000 years - 5976 years = 24 years) shy of reaching 6000 years. Does this mean we are 17 years away from the future seven- year Tribulation? It's possible, but in my estimation we are much closer. It's more likely that sometime in the distant past, our calendar changed from 360 days to 365.2422 days per year.     Nobody is for sure of the exact reason for this change, or when it happened. It could be that it occurred after (and possibly as a result of) the great flood. If epoch 1, the antediluvian period before the flood, lasted for 1656 years of 360 days per year instead of 365.2422 days, then that would account for the 17 year time difference.     When calculating 6000 years of biblical chronology of mankind, it is impossible to have the exact numbers, but we believe that it's close to the seven-year time period known as the Tribulation.     Life, as we know it, is soon (a relative term) going to change in a most drastic way. Make your choice for the Lord today, while there is still time.     Endnotes [http://www.matthewmcgee.org/ottimlin.html](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59SoCNwklrMXjODevHBWsjKRZVy-lxjl85ZUJwZbnBJgR4L9i9bEtOYNVUfU1EmGhTl8bFdaiZbKzN5WU2InhBLn_ygV3IgHRG0JhQjgykeXAVyUHADJ2ItMblav858m3s&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    [nettlesr@suddenlink.net](mailto:nettlesr@suddenlink.net) |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | a1  **Super Soft On Islamic Terror: Obama Says That ISIS 'Is Not an Existential Threat to Us'** - By Michael Snyder - [http://theeconomiccollapseblog.com/archives/super-soft-on-islamic-terror-obama-says-that-isis-is-not-an-existential-threat-to-us](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59h-w1WCjSqWTkHSTGy3EC6P0ZbnnBaBfoXrjSJJ5jU3aE65BUVLpHa6CR9d68TK4BgIjXRv-AQh2FBvNHCVgBxx1546LXwnALUPahhnmWKaBdFatWHMiPGFRBvEzw26RDVHvajgJKWv047EMxL-yaOJzO01Lbo0q88jiooGyi05RK7zxyoDKmgrFA86JIf5jwpirjx06TBoG9tAHzTgB3YJUl3PyebIcQRg-bgUVoib898m5KEqjwX2nU8gtsoUWi&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    In the wake of the horrible bombings in Brussels, Barack Obama is insisting that there is no need to change our approach in the fight against ISIS.  He believes that Islamic terror is not a fundamental threat to our way of life, and he wants all of us to be convinced that the way that he is handling ISIS right now is just fine.  Well, in this article you are going to learn some very shocking things about Obama and ISIS that are likely to make you very angry.  It turns out that our allies Saudi Arabia and Turkey have been arming, funding and aiding ISIS and other radical jihadist groups such as the al-Nusra Front (al-Qaeda in Syria), and Obama has known about it all along.  The goal was to take down the Assad regime in Syria, and the American people were never supposed to find out the truth.    Earlier today, Barack Obama told reporters that ISIS is not "an existential threat to us" during a news conference down in Argentina.  You can see video of him making these remarks right here.  But at the same time, he is promising "to continue to go after" ISIS until they are "finally destroyed"...    The United States will "continue to go after ISIL aggressively until it's removed from Syria and from Iraq and finally destroyed," Obama said, using another name for ISIS.    "The world has to be united against terrorism," Obama said, adding that "that's a top priority of ours." He added that "we can and we will" defeat terrorism.    So what precisely is Obama actually doing to pursue this "top priority"?    We are told that the U.S. military is bombing ISIS targets, but in all the months that this has been happening, U.S. aircraft never targeted the endless convoys of ISIS oil trucks that were transporting stolen oil into Turkey.  It has been estimated that ISIS sold 800 million dollars worth of oil in Turkey, and Obama knew about it the entire time.    Why didn't Obama say anything about this or do anything to stop it?    When the Russians came in, they showed satellite evidence of what was happening to the entire world and they immediately began bombing those oil convoys into oblivion.    But why hadn't the U.S. already done that?    Massive convoys of oil trucks that stretched as far as the eye could see would go back and forth over the Turkish border completely unmolested and Obama did nothing.    In fact, if the Russians had not come in and bombed the living daylights out of those convoys it would still be happening.    This should be the biggest Obama scandal of them all, and yet nobody is talking about it.  Sometimes I think that I must be going crazy because what Obama did was so obviously wrong and yet nobody wants to touch this.  For much more on all of this, please see my previous article entitled "The Biggest Obama Scandal? He Knows That Turkey Is Buying Oil From ISIS And He Is Doing Nothing To Stop It".    In addition, Obama knows that both Saudi Arabia and Turkey continue to provide advanced weaponry to ISIS and the al-Nusra Front.    He also knows that ISIS fighters use Turkey as a home base, and that when they are injured fighting in Syria they hop back over the border where they are treated at hospitals inside Turkish territory.    But have you heard Obama say anything about these things?    Has he done anything to stop any of this from happening?    No.    The reason why Obama hasn't done or said anything is because ISIS and the other radical jihadist groups were supposed to win in Syria.  Once they had overthrown Assad, then the U.S., the Saudis and the Turks were going to come in and set up a Sunni puppet government.  Of course Russian intervention has completely changed the game, and so now the Sunni militants are losing.  That is why Saudi Arabia and Turkey are in such a panic about what is going on in Syria right now.    And we are also learning that western intelligence agencies had advance knowledge of the attacks in Brussels.  The following comes from a Haaretz report...    The Belgian security services, as well as other Western intelligence agencies, had advance and precise intelligence warnings regarding the terrorist attacks in Belgium on Tuesday, Haaretz has learned.    The security services knew, with a high degree of certainty, that attacks were planned in the very near future for the airport and, apparently, for the subway as well.    Despite the advance warning, the intelligence and security preparedness in Brussels, where most of the European Union agencies are located, was limited in its scope and insufficient for the severity and immediacy of the alert.    So what are we to make of this?    Was this terror attack allowed to happen?    Could it be possible that someone out there helped make it happen?    Don't get me wrong - I don't want to minimize the threat of Islamic terror one bit.  I just wonder sometimes which side our government is actually on.    And ISIS is warning of more attacks in the near future.  In fact, they are telling us that what is coming "will be more devastating and bitter"...    Even if we were somehow able to completely wipe out ISIS, the threat of Islamic terror would be far from over.    All over the planet, radical Islam is on the rise.  These jihadists have a fanatical hatred for Christians and for Jews, and their ultimate goal is world conquest.    And an act of terror does not have to result in mass casualties.    Examples of what I am talking about are all over the place.  Earlier today, I came across a Christian Post article that talked about how two radical Muslims hacked a 68-year-old Christian convert to death with machetes in the nation of Bangladesh...    Unidentified attackers hacked a Christian convert to death this week in northern Bangladesh in the latest attack in the Muslim-majority country.    The incident occurred Tuesday morning in the northern city of Kurigram, where 68-year-old Hossain Ali was hacked to death by two assailants wielding machetes.    Tobarak Ullah, the police chief of Kurigram, told the AFP that the militants were able to carry out the heinous crime by using distractions and a getaway vehicle.    Many in the western world may dismiss a story like this because it was the death of only one man.    But what happens when these radical jihadists start getting their hands on bigger weapons?    Former president Ronald Reagan once made the following statement...    "I don't think you can overstate the importance that the rise of Islamic fundamentalism will have to the rest of the world in the century ahead-especially if, as seems possible, its most fanatical elements get their hands on nuclear and chemical weapons and the means to deliver them against their enemies."    The use of a single chemical, biological or nuclear weapon in a major western city would set off panic on a scale that would be unlike anything we have ever seen before.    Even something as basic as sarin gas could accomplish what I am talking about.  Sarin gas has been used in both Syria and Iraq in the past, and it is exceedingly deadly.  The following comes from the Huffington Post...    Inhaled or absorbed through the skin, the gas kills by crippling the respiratory center of the central nervous system and paralyzes the muscles around the lungs.    The combination results in death by suffocation, and sarin can contaminate food or water supplies, according to the US Centers for Disease Control and Prevention (CDC), which notes that antidotes exist.    "Sarin is 26 times more deadly than cyanide gas. Just a pinprick-sized droplet will kill a human," according to the World Health Organization.    Of course there are other chemical weapons that are many, many times more lethal than sarin gas, and it is inevitable that terrorists will get their hands on biological and nuclear weapons at some point as well.    Yes, terror organizations such as ISIS most definitely do represent "an existential threat" to our way of life.    Unfortunately, we have a man in the White House that does not seem particularly inclined to protect us from this threat. |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/a8ea3f9f-101b-4e99-bbad-21635a2740fe.jpg  **NOW BOTH DVDs FOR ONLY $29.95**  **NOW SHIPPING!!!**  **MAGOG RISING**  More than 2,500 years ago, God gave the prophet Ezekiel an astonishing prophecy to give to the world, one that would be fulfilled in "the latter days." Many Bible scholars feel that the prophesied events, found in Ezekiel 38 and 39, could be fulfilled in the near future, and that we might already be witnessing the stage being set and the actors being moved into place, in light of current events happening in the Middle East, right now.    In Ezekiel 38, Russia, Iran, and an alliance of Muslim nations invade Israel due to a "hook placed in the mouth of Russia" to bring Russia down to invade Israel. That hook could very well be the natural-gas fields discovered off the coast of Israel or the more recent finding of massive oil deposits in the Golan Heights.    With Russian and Iranian military forces now cooperating  and engaging in combat in Syria, just miles north of the border of Israel, people are asking if these events are setting the stage for the fulfillment of what Bible scholars call the "War of Gog & Magog" that is supposed to take place in the End of Days?    Join us in this exciting new DVD as we examine Ezekiel 38 & 39 and the infamous war of Gog & Magog, and compare it to today's headlines and current events in the Middle East.  **The Fate of Damascus and the Psalm 83 War**   About the time of the end the biblical prophet Ezekiel tells of a future invasion of Israel by a vast coalition of nations, known as the battle of Gog and Magog, we find this in Ezekiel chapters 38 and 39. As we read the headlines in the newspapers of today, and witness the conflicts in the Middle East, it's not hard to imagine that this invasion prophesied over 2600 years ago, could be fulfilled in the immediate future.  Ezekiel 36-37 predicts a gathering of the Jews to the nation of Israel, which will be followed by this massive invasion.  For 19 centuries, the Jewish people were scattered throughout the world, and until May 14, 1948, there was no nation of Israel to invade.  With the nation of Israel now a reality, the stage seems set for the war that will usher in the tribulation and the rise of the Antichrist; a war that will end with the destruction of Israel's enemies by God Himself, and lead to the signing of a peace treaty with the Antichrist.    As you read Ezekiel 38 and 39, it isn't just the creation of the nation of Israel that makes this prophecy seem likely to be fulfilled in the near future.  The nations that God tells us will form this coalition against Israel seem more likely now than perhaps ever before to form just such an alliance." The leaders of this coalition will be Russia and Iran, and currently both of these nations are right on Israel's doorstep, under the pretense of battling ISIS in Syria. I believe that there are a couple of unfulfilled prophecies that will lead-up to this massive invasion of Israel, and as we read today's headlines, we find that the fulfillment of these two prophesied events, could happen very soon!    **The Fate of Damascus and the Psalm 83 War**    [**TO ORDER THIS NEW DVDS - CLICK HERE**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkObQ1LeGUbXBq0vFN5wK0-Kdo4awjqpe5j1ROtkNmubdWcllkpoe0jnqqCKnVoCBds_NcCuFQsbLOxsiLeR1UVL7dxndT4pHILnaFWtwPtnqJ4PNoI6hxUd00kCwMXWoTJDAgsCTF4naU37haMx9sqTItmUDZhmoLDpevHVfSzaZ&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/9299b7a9-a78f-4f2e-ad95-00cc8133853e.jpg  **For every "Convergence" DVD that you purchase, you will receive a second one for FREE to out hand out or give away. For example, if you buy 5 DVDs, you will receive 10.  "CONVERGENCE of the End Time Signs" -**Bible Prophecy fulfillment is in a period of acceleration, a time of Quickening, the world is racing towards Armageddon, now more than ever we must be ready! We are about to enter a time like no other time, a time that no man has ever seen, a time like no other time in the history of this world, as a matter of fact we are about to enter the end times. Since the dawn of mankind, there have always been wars and rumors of wars, earthquakes, famines, pestilences, disease, strange-weather and false Christ's just as Jesus predicted. Fast forward nearly 2,000 years since Jesus made this prediction, and you have today's headlines lining up exactly with the Word of God. The big thing isn't that these events are happening today, is that they are all happening at the very same time! Bible prophecy is being fulfilled right before our very eyes.  Fulfilled prophecy is increasing in frequency and intensity just like birth pains, and Jesus said when you see these know that I am near, even at the door.   All the signs of the last days are converging at the same time. Bible Prophecy is happening right before our eyes and like birth pains,  the predicted events are happening more frequently and more intently. Never, in the history throughout the world have so many forces, including economic, scientific, techno-logic, ecologic, cultural, geopolitical, moral, spiritual and religion, converged together to bring this world that's already teetering over the edge into the abyss, to a point of no return. "CONVERGENCE" brings it all together and will clearly show where all this heading and what people need to do!  [**To Order this Video on DVD Click Here!**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkKe1nbKwwk_RxZtVCuuUo42dbg2WZJhAZ97LuBMvMV6b7QVCgUYIxKuYmCm6r1VpUaQmxzx4GWl3lSO9ifTSE6CMnLIax5fhT_Ffd7qKaSp9O67Tc3MdlpAOVKgJINDSjQ_1HNBWapiM&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | b1  **Modern-day 'Indiana Jones' links Shroud to 1st century** - Jerome R. Corsi - [http://www.wnd.com/2016/03/modern-day-indiana-jones-links-shroud-to-1st-century/](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkBxuPMtw6O59Qn28ikjflM8YM4v6_iQfKW9JBRDVa3766YQQvTgXjcRbR3HOA4wHuAtaRrunX8DKdo0It6Jt3bZFeOw9BvV39d1Lqx5Wsp_4ssBbHU6EMJIwi0le9L3nUGy_e93H981EuBFvP7Cw1JX8OaLTw09VbdRc1waZ8Oo82rw5GgQAyBN0jpl9zur2F5T86KFUnF90&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    'I stopped dead in my tracks: Whoa! What do we have here?'    An archaeological discovery that appears to place the origin of the Shroud of Turin in first century A.D. conflicts with three independent scientifically conducted radiocarbon 14 tests that estimated a date range of A.D. 1260-1390.    The shroud is believed by many scholars to be the burial cloth of Jesus Christ.    Philip E. Dayvault, a former FBI special agent and physical-science technician who has been studying the Shroud of Turin since 1973, ventured to Turkey on an Indiana Jones-like expedition in 2002. While there, he discovered a small mosaic in a faraway museum maintained by Muslim curators that appears to provide physical corroboration for the existence of the Shroud back in the first century    The mosaic, known as the "ISA Tile," substantiates the salient points of the synthesized 1,700 year-old "Legend of King Abgar V." The legend allegedly chronicles how the Shroud of Turin went from Jerusalem to Turkey before arriving in Turin, Italy, where the Catholic Church preserves it in the Cathedral of Saint John the Baptist.    **The archeological find in Turkey**    In an interview with WND, Dayvault recalled it was May 21, 2002, when he found the ISA Tile mosaic "in the innermost sanctum of the archaeological museum in faraway Şanliurfa, Turkey."    "I was there because I was researching ancient oil lamps, and they had some 75 prepared and ready for me to study," he explained. "Via hand-signals and translations, I asked the director a second time for permission to conduct a 'look-see' in the innermost sanctum, and he finally gave me permission to go in there and look around."    Dayvault described the inner chamber of the museum storeroom as a small area, some 20 by 30 feet in size, that was accessed only through a series of locked gates and doors.    "In there, the most priceless artifacts were maintained by the museum," he said. "I used my flashlight to get a better view, because there was only one overhead lamp in the middle of the room, and there in the corner, on the second shelf, I found the ISA Tile, the mosaic that immediately caught my attention."    Needless to say, Dayvault was ecstatic with his new discovery. He was on a quest for ancient oil lamps bearing the face of the man of the shroud; but, instead of finding oil lamps, he was led to a small mosaic depicting the "face of God."    "I stopped dead in my tracks and said, 'Whoa! What do we have here?'    "The Muslim curator with us, realizing I had spotted this, exclaimed, 'Isa, Isa,' which I knew meant 'Jesus, Jesus.' My translator-guide, Hafiz, equally excited as the curator, began exclaiming, 'Jesus, Jesus.' I excitedly responded, 'I know, I know,' because I had immediately recognized the face on the mosaic as the same face as the crucified man in the Shroud of Turin."    The museum had apparently kept the ISA Tile from public view for decades. But upon finding it, the curator explained to Dayvault's translator that the mosaic was actually the Muslim director's "most prized possession" of all artifacts in the museum.    "The museum is in eastern Turkey, a very Muslim orthodox part of the country," Dayvault pointed out. "The museum inventory records officially described the mosaic tile simply as depicting 'a bearded man,' without any suggestion the bearded man was Jesus Christ."    In his recently published book, "The Keramion: Lost and Found: A Journey to the Face of God," he describes the discovery and discusses the importance of the find.    Dayvault further writes, "I called the small mosaic tile the 'ISA Tile' because of the animated reaction from the museum curator regarding my discovery."    As soon as he saw it, Dayvault cautiously picked up the mosaic and walked over to the photography table, where he glanced at his watch and realized he had only five minutes left before the museum closed for lunch, during which time all visitors had to leave.    "Lunchtime never lasted so long," Dayvault wrote. "Every second ticked by slowly. I was ecstatic with the new discovery, but I had to restrain my excitement. I did not want to draw too much attention to the mosaic tile. We had been told by the curator right before leaving for lunch that not only was I the first American ever to visit the museum depots, but I was the very first foreigner as well."    After lunch, Dayvault returned and took photographs of the ISA Tile from different angles and views.    "The ISA Tile looked heavy, like concrete, but it was surprisingly as light as a feather when picked up," Dayvault continued writing. "The overall size of the tile was approximately 9x12x4 inches. The beveled substrate base of the tile was most likely tufa, or a volcanic ash and limestone mixture, extremely light and durable in nature."    Dayvault had four minutes to photograph the tile when the museum director returned from a meeting. While Dayvault had official state permission to photograph objects with faces similar to ones on his oil lamps back home and the expressed permission of the director, he did not particularly want to be photographing the director's most prized possession in his absence.    "The mosaic had literally been secreted in the innermost sanctum of the depots for decades, and I am sure the director did not want yet to relinquish his cherished prize for the world to see," Dayvault wrote. "However, time was short, and I had to act. Sometimes, it is better to seek forgiveness than to ask permission. In this particular case, I am glad I did."    **The legend**    According to the legend of King Abgar V, shortly after the Ascension of Jesus Christ, in about A.D. 30, Judas Thaddeus, one of Christ's 12 disciples (or Thaddaeus, one of the seventy-two disciples), allegedly carried to King Abgar V in Edessa - an ancient city in upper Mesopotamia that is now modern-day Şanliurfa, Turkey - a cloth that bore the face of Jesus Christ. It was known then as the "Image of Edessa," which many today associate with the current Shroud of Turin.    The legend relates that King Abgar V, afflicted with an incurable illness speculated to be gout or possibly leprosy, supposedly had heard of the miracles being performed by Jesus. So he wrote to Jesus and asked him to come to Edessa to cure him. The historian Eusebius records that while Jesus was unable to come to Edessa, he was impressed that Abgar believed without seeing him, while many who had witnessed Jesus did not believe in him.    Upon seeing the cloth, King Abgar V was healed. In response, he converted to Christianity and Edessa became one of the first Christian communities outside Jerusalem.    The legend continues that King Abgar displayed the cloth and had a tile bearing the facial image of Jesus Christ placed over a Western Gate of the "City" (Citadel), as a memorial directing visitors to Edessa to pay homage to the image of Jesus Christ.    In A.D. 57, the second son of King Abgar V, named Ma'nu VI, assumed the throne and reverted to paganism, at which time the cloth bearing the image of Jesus, the Keramion tile and an oil lamp were concealed in a tunnel niche of the Western Gate of the Citadel. They remained hidden there for some 468 years before being discovered by workmen rebuilding the walls in AD 525 after a devastating flood.    **Resemblance to artistic depictions of Jesus**    Dayvault wrote that "almost immediately after the Shroud's rediscovery in A.D. 525, Christian art flourished around the world, as fast as couriers and artists could travel, with many of the depictions bearing a resemblance to the Keramion face."    He further contends that while the ISA Tile (Keramion) was displayed over the Western Gate of the Citadel in Edessa during its "public years," from approximately A.D. 30 to 57, it was readily available for artists to copy, paint and possibly even trace into copybooks. These copybooks were then used to transport the image likeness to other locations throughout the empire, where it was replicated in frescoes, mosaics and other works of art in cathedrals and catacombs.    "I believe the ISA Tile, likely created in the time of King Abgar V as a representation of the image regarded today as the Shroud of Turin, served as the prototypic model for numerous ancient depictions of Jesus Christ that have survived today ... and bearing the traditional image we recognize as the face of Jesus Christ," Dayvault wrote.    As evidence, Dayvault identified a long list of unique features known to Shroud scholars as "the Vignon markings." Many are observed when comparing the image of the bearded man on the ISA Tile to the image of the crucified man in the Shroud and to various artistic portraits of Jesus.    One such portrait is the famous image of "Christ Pantocrator," a painting made with hot wax and pigment on a wooden panel reportedly commissioned by Emperor Justinian and gifted to St. Catherine's Monastery in Sinai, Egypt, dating back to around A.D. 527. Several other christological depictions dating to circa A.D. first and second centuries have also been forensically examined and determined to have derived from the ISA Tile.    Examining the ruins of the Western Gate of the Citadel from the ancient city of Edessa that are still standing in Şanliufa, Turkey, Dayvault believes he has found the hiding place inside the tunnel of the Western Gate of the Citadel. There, blocks were removed and a portion was chiseled out of the limestone or marble wall to accommodate and hide the Shroud of Turin, the Keramion and an oil lamp from the time when Ma'nu VI came to power. This was to prevent their certain destruction.    He also identified several physical features still there, including two prominent marble pillars with Corinthian capitals that appear in paintings such as one dating from 1678 currently in the State Historical and Cultural Museum-Preserve of the Moscow Kremlin Museums. It depicts the discovery of the burial cloth of Christ, traditionally known as the "Mandylion" from its hiding place in the city walls of Edessa. |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | b2  **Feeding the Lambs and the Sheep** - Nathele Graham - [twotug@embarqmail.com](mailto:twotug@embarqmail.com)    Peter was a man of many contrasts. Brash in defending Jesus, but he denied Christ three times on the night of that illegal trial and hid when Christ was crucified. Peter passionately proclaimed "Thou art the Christ", but he also tried to stop Jesus from going to Jerusalem. Peter saw miracles and was present at the transfiguration, but this fisherman from Galilee knew prophecy and how accurate it is. He saw Jesus ride into Jerusalem exactly when Daniel's prophecy foretold He would (Daniel 9:25-27) and in the manner in which Zechariah had foretold (Zechariah 9:9). He learned from his mistakes and we can learn from him. Peter also learned how to be sure of your salvation: walk the straight and narrow path.    Many people accept Jesus in a time of crisis or during the emotion of a revival meeting. Is that real salvation? It can be, but most people go back to worldly living once the crisis is past or the emotion stops. Peter walked with Jesus and heard His words, but when things got tough he hid. How about you? Do you profess to be a Christian, but when friends pressure you to deny Him by joining in worldly activities, what do you do? Peter had hidden on the night of the trial and was not at the cross during the crucifixion, but he knew Jesus died and was buried. When news came that the tomb was empty, Peter ran to see for himself. "Then arose Peter, and ran unto the sepulchre; and stooping down, he beheld the linen clothes laid by themselves, and departed wondering in himself at that which was come to pass." Luke 24:12. Peter must have been filled with joy and confusion, but he went with the other disciples to Galilee as Jesus had directed. It was on the shores of Galilee that Peter truly met Christ.    The risen Christ met His disciples there on the shores of Galilee. He prepared food for them and they talked. Peter had denied Jesus three times on the night of the trial, and Jesus asked him three times "Do you love me"? Peter answered that he had a brotherly love, but wasn't able to proclaim the deep committed love that he would grow into when the Holy Spirit filled him. Jesus knew the ministry which lay ahead for Peter and with each question of "Do you love me" came a challenge. The first was "...Feed my lambs." John 21:15c. The Greek word bosko means to feed. Pastors, and indeed all mature Christians, need to feed new Christians (the lambs) and help them to grow in the Lord. We do that by studying and applying God's word to our everyday life, then being an example and encouraging these young lambs. "I have fed you with milk, and not with meat: for hitherto ye were not able to bear it, neither yet now are ye able." 1 Corinthians 3:2. New Christians must learn the basic truths of Christianity and need encouragement to walk that straight and narrow path without feeling deprived of the sugar drenched ways of the world. They need to be fed with nourishing food of God's word so they don't go back into worldly ways.    Jesus asked Peter a second time "Do you love me" and urged Peter to "...Feed my sheep." John 21:16c. This time the word translated "feed" is poimaino. This means to tend, to shepherd, and to guide. Even those who have been Christians for years need guidance. How many congregations have men and women sitting in the pews who embrace sin with no regard to honoring God in all areas of their life? Christianity isn't a Sunday morning part of life, but is an everyday way of living. We need to help fellow Christians to not wander from the straight and narrow path. We can't do that if we don't apply God's word to our own life. Never rebuke in anger, but always use Scripture. "All scripture is given by inspiration of God, and is profitable for doctrine, for reproof, for correction, for instruction in righteousness: that the man of God may be perfect, thoroughly furnished unto all good works." 2 Timothy 3:16-17.    Then Jesus asked a third time if Peter loved Him and urged Peter to "...Feed my sheep." John 21:17c.  This is the same word used in verse 15 above meaning to feed. The Lambs need food to grow strong, but the sheep need to be fed a different kind of food. The sheep need to delve deeper into God's word in order to stay strong. Christians need to encourage each other to walk close to our Lord. If you see a brother or sister reverting back into worldly ways, remind them of what Christ did. The sacrifice he made to purchase salvation should never be taken lightly. Jesus was perfect and owed no sin debt, but loved us enough to pay the price of our redemption. We owe Him everything, but do we follow His ways?  Peter did and went on to be a strong leader among Christians. In the Gospels we see Peter as a man who spoke whatever came into his mind. After Jesus urged him to feed the flock, Peter saw his purpose and in the book of Acts we see the Holy Spirit changing Peter. Peter still needed help from others in order to stay on track. Paul brought Peter's mistakes to his attention. "But when Peter was come to Antioch, I withstood him to the face, because he was to be blamed." Galatians 2:11. Peter took the rebuke to heart and got right in his walk with the Lord.    When Peter came to the end of his life, he wrote letters of encouragement to fellow believers. He wrote about Christian growth, and must have pulled from his own experience in life. When we first come to Jesus we need to move away from our worldly ways. When we have been walking with the Lord for some time, we need to continue to be diligent in our walk. God gives us power to overcome the temptations of life, but we need to tap into that power and live set apart lives. "According as his divine power hath given unto us all things that pertain unto life and godliness, through the knowledge of him that hath called us to glory and virtue; whereby are given unto us exceeding great and precious promises: that by these ye might be partakers of the divine nature, having escaped the corruption that is in the world through lust." 2 Peter 1:3-4. God has given us what we need. Paul also wrote about this in his letters to the very worldly Christians in Corinth. "All things are lawful unto me, but all things are not expedient: all things are lawful for me, but I will not be brought under the power of any." 1 Corinthians 6:12. Christians have been forgiven of all past, present, and future sin, but that doesn't give us an excuse to continue sinning. If you don't begin to move away from living a sinful life and are happy wallowing in sin, then you haven't grown. Have you truly accepted Christ for salvation, or is he just someone you give lip service to? You need to be sure.    Life after death is eternal. If you've rejected Him for your salvation you will find out that all the lust of this life wasn't worth your choice of eternal torment. If you have accepted Him, then you need to love Him and grow in your Christian walk. How do you grow from a lamb to a sheep? Peter tells us how. He gives us a step by step guide. "And beside this, giving all diligence, add to your faith virtue; and to virtue knowledge;" 2 Peter 1:5. We come to Jesus by faith, now we need to add virtue, or arête. This is moral excellence. While we live on this side of heaven we will never stop sinning, but we need to recognize our sin and move toward moral excellence. The lambs need to be fed so they leave the lusts of the world behind, and the sheep need to be tended so they don't return to the world. Virtue, or moral living, comes from knowledge of the Lord and study of His word.    "And to knowledge temperance; and to temperance patience; and to patience godliness;" 2 Peter 1:6. One step at a time; from lost sinner to saving faith, from faith to virtue and knowledge. Then there comes temperance. This is self-control. Knowledge of God's word will teach you how God feels about things like anger, marriage, alcohol, and more. Learn to control your worldly desires and bring them into obedience to the Lord. It takes time, but that's where patience comes in. Patience for your own growth, and patience in encouraging someone else in their growth. When you fail ask forgiveness and try again. "If we confess our sins, he is faithful and just to forgive us our sins, and to cleanse us from all unrighteousness." 1 John 1:9. Pretty soon there will be fewer failures and we will become more virtuous in our actions and words. If God holds a place of honor in your life, it will show.    "And to godliness brotherly kindness; and to brotherly kindness charity." 2 Peter 1:7. Brotherly kindness, or philadelphia in Greek, towards fellow Christians grows by loving and honoring God. By growing in your faith and following the steps laid out by Peter, you will find that old ways no longer appeal to you. There will be joy in being around your brothers and sisters in Christ, and the pull of the world will ease its grip on you. As you grow in the knowledge of the Lord your love of God will take over your life and you'll find joy in sharing His love with others. Christian charity, agape, will flow from your words and actions and others will be encouraged.    A Christian needs to build on these things. It's a lifelong process, but this encourages a strong walk with our Lord. These things aren't to be done for public display, but need to be a part of our private life too. "For if these things be in you, and abound, they make you that ye shall neither be barren nor unfruitful in the knowledge of our Lord Jesus Christ." 2 Peter 1:8. If you study the guidelines that Peter set out, you will be a good witness to others around you. If you love Jesus and have a desire to follow Him, your knowledge of Him will grow because you will study His word and apply it to your life. You will feed the lambs without even being aware that your example is nourishing to them. "But he that lacketh these things is blind, and cannot see afar off, and hath forgotten that he was purged from his old sins." 2 Peter 1:9. It's easy to forget what Jesus did on the cross when we go back to the filth of sin.    As you go through this life you will have temptations, but it's how you handle those temptations that makes a difference in your growth as a Christian. If you follow Peter's guidelines you will grow from a lamb to a sheep and will be an encouragement to Christians around you. If you hold onto your sin you will be a poor witness to others, especially the young lambs. They will look at you and think that if you, a "mature" Christian, can embrace a particular sin then it must be alright for the lambs to also embrace sin. "Abstain from all appearance of evil." 1 Thessalonians 5:22.  Look to God's word for His example of living. When you understand what God views as sin, then you need to control yourself and not yield to temptation. If you see a brother or sister practicing sin, go to them and use Scripture to correct them in brotherly love. We need to hold Christ as our example and move closer to His way. We can be so sure of the grace and forgiveness of Jesus that we forget that we are supposed to let go of sin and follow Him. Remember, He told the woman taken in adultery to "...go, and sin no more." John 8:11b.    The New Testament letters are written by inspiration of the Holy Spirit to believers for encouragement and correction. We need to learn from them. Peter said that he would continue to remind his readers of God's truth. Wherefore I will not be negligent to put you always in remembrance of these things, though ye know them, and be established in the present truth." 2 Peter 1:12. If you hold onto the same sin and don't grow in your Christian walk, you need rebuke from Scripture. Re-read the various New Testament letters and be fed. Go over Peter's instructions on how faith grows into a closer walk with Jesus. It isn't good to remain a lamb.    Peter was an example of a man who was changed by the power of the Holy Spirit. Study his life and you will probably find similarities between yourself and Peter. Jesus knew that he would be a strong leader of the ekklesia (Christians) and many would be inspired by him. Today Peter is still feeding the lambs and the sheep.    God bless you all,    Nathele Graham  [twotug@embarqmail.com](mailto:twotug@embarqmail.com)  [www.straitandnarrowministry.com](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkFl-5Oug4nEnJ6ZpozMddK1Nj4M4KWhB1niYBzE1yimf_FEpZp2eXlD5iNNyNyPHaVobfecTlfeRvUAFRdEFvgl591uy2jydI5ogUF4a6u5rAde17ABcTrxsYgI6-8wyxNIJvHcyPn7Q&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  [ron@straitandnarrowministry.com](mailto:ron@straitandnarrowministry.com)  Previous commentaries archived at [http://www.raptureready.com/featured/graham/graham.html](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkIiyFcx8P8exKJXaEZX2svEQPU2zN5LqBTdz3Fr6E78H4KwNdpNZqCuCiRpmq1f1obOEKIoGfEGcxl2Y2yzXgrvtuRz5iJ-1Fda8VwjEK2HvKWETDmhAJYooyPfUksjWCL1MMx_8ENWC8ln1IFKXuhMtOhV9VG5tjB2SkD8ohYHk&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    All original scripture is "theopneustos" God breathed.  If you'd like to be on my mailing list to receive the commentaries just drop me an email and let me know. |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | b3  **Daily Jot: El presidente in all his glory** - Bill Wilson - [www.dailyjot.com](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0D431p263VOCCtngaUre5rhlFo9jt1WQtUWPZSmf-O6jtGmUKw2kWDjg-g9MAqrabTVwTC_MoKsk84sduaYqTfHpu_cUSy6X2Egtup-yKrTI=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    It was hard to fathom that a US President would have his picture taken in Cuba with the image of Che Guevara prominently displayed behind him. Guevara, a communist murderer and major figure in the Cuban revolution, has become the international symbol for communist revolution. The US "president" took his entire family to Cuba, met with the Cuban regime, and even watched a baseball game with the murderous communist "president" of Cuba, Raul Castro. It was almost as if the US "president" was giddy about mixing with boyhood heroes and legendary figures of his passion. His remarks were more telling, saying: "It is an extraordinary honor to be here today." But there is sadly more to the story.    The US "president" said, "President Castro, the people of Cuba, thank you so much for the warm welcome that I have received, that my family have received, and that our delegation has received.  It is an extraordinary honor to be here today...To the government and the people of Cuba, I want to thank you for the kindness that you've shown to me and Michelle, Malia, Sasha, my mother-in-law, Marian." As he spoke, he pointed out differences between Cuba and the US and said, "Despite these differences, on December 17th 2014, President Castro and I announced that the United States and Cuba would begin a process to normalize relations between our countries."    He continued by apologizing for America's foreign policy toward the only bastion of communism left in the Western Hemisphere: "And these changes have been welcomed, even though there are still opponents to these policies.  But still, many people on both sides of this debate have asked:  Why now?  Why now? There is one simple answer:  What the United States was doing was not working.  We have to have the courage to acknowledge that truth.  A policy of isolation designed for the Cold War made little sense in the 21st century...Before 1959, some Americans saw Cuba as something to exploit, ignored poverty, enabled corruption.  And since 1959, we've been shadow-boxers in this battle of geopolitics and personalities.  I know the history, but I refuse to be trapped by it."    How about the truth that the Castro regime exploited the Cuban people, confiscated their businesses, forced them into poverty, murdered tens of thousands, and is known for its corruption. And somehow, to this US "president," it is America, not Marxist Cuban dictators who are responsible. This is offensive--an American "president" siding with the propaganda and actions of murderous dictators against the people he has taken an oath to defend. 2 Timothy 3:13 says, "But evil men and seducers will wax worse and worse, deceiving and being deceived." And Jesus said in Matthew 24:4, "Take heed that no man deceive you." These verses are in the context of the end times, but they also serve as warnings for our every day life. The height of lies and hypocrisy are found in the remarks and actions of these evil men and seducers. |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | b4  **Daily Devotion: The Power of Christ's Words** - Greg Laurie - [www.harvest.org](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q05K4zJ1jgBJWZ1k3vUT92zlqn_BYashAr-jLHMNPXGUdnf4jV8qCogzurHKNzKutwj4zMuhVHII4fId34OHa6m_4Ru8OrlETK8ZOFtXWl_3k=&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    Hold fast the pattern of sound words which you have heard from me, in faith and love which are in Christ Jesus. -2 Timothy 1:13    Christ' passionate love for the world is evident in His statements from the Cross:    **Statement One**  "Father, forgive them for they know not what they do." Luke 23:34    Do you realize that you are in need of the Father's forgiveness?    **Statement Two**  "Today you will be with Me in Paradise." Luke 23:43    Have you realized and confessed Jesus as your personal Savior?    **Statement Three**  "Woman, behold your son." John 19:26    Jesus is concerned for us and provides for all of us.    **Statement Four**  "My God, My God, why have You forsaken Me?" Matthew 27:46    Jesus was forsaken so we don't have to be.    **Statement Five**  "I thirst!" John 19:28    This personal statement reminds us that Jesus is not only God, but He also was man. Jesus identifies with our needs.    **Statement Six**  "It is finished!" John 19:30    Jesus paid for our sins, and sin's control over our lives is broken!    **Statement Seven**  "Into Your hands I commit My spirit." Luke 23:46    You can entrust your life into God's hands.    If you are reading this today and you've never committed your life to Jesus Christ, would you click Know God and confess Him as Your Savior and Lord? |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | **FROM THE HEART**  **http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/1966c7fd-05e4-4647-8075-0a43806d1b6d.jpg**  **IF YOU HAVE BEEN BLESSED THROUGH THIS MINISTRY, THEN WE ASK THAT YOU WOULD PLEASE REMEMBER PROPHECY UPDATE IN YOUR GIVING - WE ARE TRULY, TRULY, THANKFUL FOR YOUR SUPPORT**   Prophecy Update has no corporate sponsors. This ministry is paid for and prayed for by readers and supporters. Without your support, there would be no Prophecy Update, Please pray about becoming a monthly supporter - thanks!  http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/821fca8a-c4df-4570-b7d8-49f6a838fbb3.jpg  **If ever there was a time to invest in God's Kingdom, it's now!**  **What on earth are you doing for Heaven's Sake?**  **"Share in the Blessings and Rewards that will last Forever!"**  "Folks, it's all beginning to unravel. America is in more danger of falling than at any time in its history. But I believe Bible prophecy predicts this very decline. From this point on, we believers have to get serious. We are going to face discouragement, disillusionment and, most certainly, persecution in the time between now and the Rapture. But don't be discouraged or disillusioned. The coming turmoil will provide us unrivaled opportunities to share the good news of the Gospel. So be ready to share your faith and your hope with those who need Christ. We still have time to reap a great harvest of souls for God's kingdom!" - Hal Lindsey  **1) We need your prayers!**- We proclaim the Truth of the Word of God and we are under constant spiritual and sometimes even physical attack.  **2) We need your encouragement!**- We need to hear from you, let us know how the Lord is blessing you through this ministry so that we can share it with others.  **3) We need your input! -** If you have a prophetic article or story or if there is a news related item we missed, let us know.  **4) We need your financial support!**- To put it quite simply, without your support, there would be no Prophecy Update.  I ask that you would prayerfully consider partnering with us to get the Word out and keep the world informed. Remember, your gift, no matter how small, does make a difference! You will be helping to touch lives, around the world, 24 hours a day, seven days a week, thanks to the internet your generosity carries a global impact! - Thanks!  **Our Prayer for You**- "Now he who supplies seed to the sower and bread for food will also supply and increase your store of seed and will enlarge the harvest of your righteousness. You will be made rich in every way so that you can be generous on every occasion, and through us your generosity will result in thanksgiving to God. This service that you perform is not only supplying the needs of God's people but is also overflowing in many expressions of thanks to God. Because of the service by which you have proved yourselves, men will praise God for the obedience that accompanies your confession of the gospel of Christ, and for your generosity in sharing with them and with everyone else." 2 Corinthians 9:10-13  Prophecy Update is a **501 (c) (3) tax exempt** - non-profit organization, and all your donations are tax deductible.  If you have been blessed by Prophecy Update and would like to help support this ministry financially. You can make a secure donation online by going to:  [**DONATE NOW**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0kOX7-95kPmBNBG23WPTvRzqURzNSZhQfrDgqfkdhMJGzPKszJFvYRIlleJeiZ_0Zpemy5khNV6QpR-OZYnUJyyUmSi1whdEI19MN6NDjdDqHLwyklkTPzentWx35ccZi&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  Or Visit our website:  [**http://prophecyupdate.com/donations/**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0kOX7-95kPmBNBG23WPTvRzqURzNSZhQfrDgqfkdhMJGzPKszJFvYRIlleJeiZ_0Zpemy5khNV6QpR-OZYnUJyyUmSi1whdEI19MN6NDjdDqHLwyklkTPzentWx35ccZi&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)    Or write us at:  **Prophecy Update**  **P.O. Box 40516**  **Bakersfield, CA 93384-0516** |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | http://files.ctctcdn.com/61c7cfcb201/f4a41e0a-9f46-4dd9-a591-aa9cf6afc25d.png  We are very pleased to offer all our readers this **FREE** download on Bible Prophecy from the Evangelical Bible College of Western Australia - Just download and enjoy and be blessed! Feel free to share it with all your friends and family members.  Click below to download!  [**"AS YOU SEE THE DAY APPROACHING"**](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkPBxJVcDbrEcmhmAJEg546mUHHGyCFJjkf1DyyFEHx1Cvz2Yem-g8e7JzyISoImUOePdPyz-PM1AgcioFTC4yPjv34lWFbSSMH-J5y-dMyWCl0kw6V52hPLI6tlz3IHI6bfrTKekiHYYQEG3jIHdFXatAmTcrh5I9wJRcLlC5n-gY3i0NjJJSfYkxY1z0s9cmg==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | |  |  | | --- | | [Gray](http://ui.constantcontact.com/sa/fwtf.jsp?m=1111272225814&a=1124198617899&ea=rthomas%40bak.rr.com)  **If You Died Today, Would You Go To Heaven?**  Find out, visit:  [www.thegoodtest.net](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0mk_8ndv6foNnwJXVYpg8woIRxzS9Qr3yMzsNm2gzggwQzY9G36pnBGgeP_4W9GHQShTxwFpnOaG-MjyedOXzQHOQUEL6tIdWTZb6ddtaNpdlO2J-lrMloA==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  [www.gotquestions.org](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0Uwk6jI4DV7xN0zCzvrNUphkLqlfe0ML1spSaFUQzoxv09ztxpElYOWbxZvULAzUpzeBmjy8b8BefzmXxKceoCXhnK7z4kN30EgQSQmrDlB--ZtcbrQl6nA==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  [www.wayofthemaster.com](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0mEAEKau1YqD3aHJCyj2aT03r1XN7EV4C-49DV0GDY_6dDKxU4d4jt6q--dm4SIK2DOCOoP_38VTJt6h0HagHyAmr1llUR29gBNF5nYpy6b5FWoCXF19f3w==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  **Prophecy Update - GoodSearch Toolbar**  [http://www.goodsearch.com/toolbar/prophecy-update](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0-LxvxMn9WOLawNtNv84V_-3jbKJbBH2kxrFQ7EtQ0lVJS13XHERxM5eG1HkFFhCz4luo28cCeGerdWylALsr49K-oGj-NoCEyn0Mgvykz3Ntj2qkLXbGDMWvyajeY0XeMMZpwdSU8TZjCfR2rHOeyw==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)  Our **Prophecy Update Toolbar** is **free** to download and allows you to raise money for our cause every time you search or shop online  **DID YOU KNOW?**  **You can submit an article, leave a comment or praise report at email:**  [prophecyupdate@bak.rr.com](mailto:prophecyupdate@bak.rr.com)  **Maranatha!** (Lord Come Quickly)    "On Christ the Solid Rock I Stand, All other ground is sinking sand."    "Let Us make the short time we have left count for all eternity!"    YBIC-Randy | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif | | |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/S.gif |  |  | | --- | | **Stay Connected** |  |  | | --- | | [Facebook](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0IZbCSoCdBSXZuhq7D2P_vLVbycjIIYZFzfvF_sdRFOkmqyYo60l-raa4GiJfPu-B3Z2fhfqGjud26BGNxjLBtaLVEOtucB-jN1SNe27RIIMzwgdjpOeh-w==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)   [Twitter](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0IZbCSoCdBSXZuhq7D2P_vLVbycjIIYZFzfvF_sdRFOkmqyYo60l-raa4GiJfPu-B3Z2fhfqGjud26BGNxjLBtaLVEOtucB-jN1SNe27RIIMzwgdjpOeh-w==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)   [LinkedIn](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0IZbCSoCdBSXZuhq7D2P_vLVbycjIIYZFzfvF_sdRFOkmqyYo60l-raa4GiJfPu-B3Z2fhfqGjud26BGNxjLBtaLVEOtucB-jN1SNe27RIIMzwgdjpOeh-w==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==)   [Pinterest](http://r20.rs6.net/tn.jsp?f=0014X7UK0f7DPAmvdE4XWjvppKVITq22HhDDqa4OKIfaJudF3CkM8PVkE00PKrku6q0IZbCSoCdBSXZuhq7D2P_vLVbycjIIYZFzfvF_sdRFOkmqyYo60l-raa4GiJfPu-B3Z2fhfqGjud26BGNxjLBtaLVEOtucB-jN1SNe27RIIMzwgdjpOeh-w==&c=TMqZ8sBCf0tP00XKNCv-tBS6KQN82LFKPct-z-w3GdzqPp2X5G5sEg==&ch=c9TnYSGhtB4bpNHDn68RWEHN-_isKWXEug0pFCD43P5mlwzEVID_EQ==) |  |  | | --- | | Prophecy Update - PO Box 40516 - Bakersfield, CA 93384 | | | | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB1.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB2.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB3.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB4.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB5.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB6.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB7.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB8.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB9.png | http://img.constantcontact.com/letters/images/1101116784221/PM_NPN_ShadowRB10.png | |
|  |